

“प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय साक्षरता एवं पर्यावरण के प्रति आचरण को अद्ययन”



भारत सरकार  
शिक्षण विभाग

वरकजाउल्लाह विश्वविद्यालय, अमरावती  
की एन.एड. (आर.आई.ई.) कक्षाओं  
की अधिक संख्या में अनु प्रस्तुत

समु-शोध प्रबंध  
2009-2010

2  
0  
0  
9  
:  
2  
0  
1

संशोधक/संशोधिका  
डॉ. कौशिक शिरोडकर  
प्रमुख  
संशोधक/संशोधिका  
डॉ. कौशिक शिरोडकर  
सहायक  
संशोधक/संशोधिका  
डॉ. कौशिक शिरोडकर

राष्ट्रीय शिक्षण संस्थान, (ए.आई.ए.टी.)  
उद्यानवाड़ा जिल्ला, गोंयात (म.प्र.)

“प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय साक्षरता  
एवं पर्यावरण के प्रति आचरण का अध्ययन”



बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल  
की एम.एड. (आर.आई.ई.) उपाधि  
की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

लघु-शोध प्रबंध  
2009-2010

D-382

मार्गदर्शक  
डॉ. कौशल किशोर खरे  
प्रवाचक  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

शोधार्थी  
श्रीमती मिताली खरे  
एम.एड. (आर.आई.ई.)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, (N.C.E.R.T.)  
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

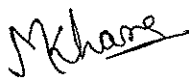
## घोषणा पत्र

मैं, श्रीमती मिताली खरे एम.एड. (आर.आई.ई.) यह घोषणा करती हूँ कि मैंने “प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय साक्षरता एवं पर्यावरण के प्रति आचरण का अध्ययन” नामक शीर्षक पर लघु शोध प्रबंध 2009-10, डॉ. कौशल किशोर खरे, प्रवाचक, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

यह लघुशोध प्रबंध मेरे द्वारा बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की एम.एड. (आर.आई.ई.) सत्र 2009-10 की उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया जा रहा है।

इस शोध में लिये गये प्रदत्त एवं सूचनायें विश्वसनीय स्रोतों तथा मूल स्थानों से प्राप्त की गई है तथा यह प्रयास पूर्णतः मौलिक है।

स्थान : भोपाल  
दिनांक : 28.04.2010

शोधार्थी  
  
श्रीमती मिताली खरे  
एम.एड. (आर.आई.ई.)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्रीमती मिताली खरे, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में एम.एड. (आर.आई.ई.) की नियमित छात्रा है। इन्होंने बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से सत्र 2009-10 में शिक्षा स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध “प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय साक्षरता तथा पर्यावरण के प्रति आचरण का अध्ययन” मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। यह शोध कार्य निष्ठा एवं लगन से किया गया मौलिक प्रयास है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की एम. एड. (आर.आई.ई.) उपाधि हेतु सन् 2009-10 की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 28.04.2010

मार्गदर्शक



डॉ. कौशल किशोर खरे

प्रवाचक

क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, म.प्र.

## आभार ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध संबंधी कार्य की पूर्णता के लिए मैं अपने मार्गदर्शक डॉ. कौशल किशोर खरे, प्रवाचक, शिक्षा विभाग की कृतज्ञ हूँ जिन्होंने अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद भी अपने सौहार्द्रपूर्ण व्यवहार के द्वारा मेरी कठिनाइयों का निराकरण किया एवं मुझे प्रगति की ओर अग्रसर करते रहे। यह लघुशोध आपके ही मार्गदर्शन का प्रतिफल है। आपके द्वारा धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीयता, वात्सल्यपूर्ण सहयोग एवं मार्गदर्शन अविस्मरणीय रहेगा।

मैं आदरणीय प्राचार्य, प्रो. के.बी. सुब्रमण्यम जी का जो इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संस्थान के प्रमुख है, जिनका मार्गदर्शन एवं वैश्विक सोच इस संस्थान को नई ऊँचाईयों पर ले जाने के लिए सदैव अग्रसर है का आभार व्यक्त करती हूँ एवं संस्थान के अधिष्ठाता, डॉ. एम.एन. बापट, डॉ. एस.के. गुप्ता, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल एवं विभाग के समस्त गुरुजनों पुस्तकालय अध्यक्ष एवं समस्त कर्मचारियों का हृदय से आभार प्रकट करती हूँ।

मैं शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला पुरानी टेहरी, टीकमगढ़ विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकों तथा विद्यार्थियों की विशेष रूप से आभारी हूँ, जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग किया।

मैं अपने आदरणीय माता-पिता, पुत्री प्रियांशी, सास-ससुर, पति श्री सौरभ खरे, देवर गौरव तथा परिवार के सभी सदस्यों की जीवनपर्यन्त ऋणी रहूँगी जिन्होंने मेरे अध्ययन की पूर्ति हेतु तन-मन-धन से सहयोग तथा आशीर्वाद दिया है।

मैं अपने सभी सहपाठियों की आभारी हूँ जिन्होंने प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से शोध कार्य करने में सहयोग दिया।

अंत में मैं, शोध कार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोध कार्य में, जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया गया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभार व्यक्त करती हूँ।

स्थान : भोपाल

दिनांक : 28.04.2010

शोधार्थी

श्रीमती मिताली खरे  
एम.एड. (आर.आई.ई.)  
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल

# अनुक्रमणिका



घोषणा-पत्र

I

प्रमाण-पत्र

II

आभार ज्ञापन

III

विषय वस्तु

पृष्ठ  
संख्या

अध्याय- प्रथम

शोध परिचय

1.1	प्रस्तावना	1
1.1.1	पर्यावरणीय शिक्षा	4
1.1.2	पर्यावरणीय शिक्षा के उद्देश्य	5
1.1.3	भारत वर्ष में पर्यावरण शिक्षा	6
1.1.4	विश्व स्तर पर पर्यावरण के प्रति जागरूकता	8
1.2	समस्या कथन	9
1.3	समस्या कथन में प्रयुक्त शब्दों की परिभाषा	9
1.4	शोध कार्य के उद्देश्य	11
1.5	शोध का परिसीमन	11
1.6	शोध प्रश्न	11
1.7	अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व	12

अध्याय- द्वितीय	संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन	
2.1	प्रस्तावना	14
2.2	संबंधित शोध कार्यों का पुनरावलोकन	15
2.3	उपसंहार	22
अध्याय- तृतीय	शोध प्रविधि एवं प्रक्रिया	
3.1	न्यादर्श एवं चयन	23
3.2	शोध के चर	24
3.3	शोध में प्रयुक्त उपकरण	24
3.4	प्रदत्तों का संकलन	25
3.5	सांख्यिकीय का उपयोग	26
अध्याय- चतुर्थ	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणामों की व्याख्या	
4.1	प्रस्तावना	27
4.2	प्रदत्तों का सारणीयन	27
4.3	प्रदत्तों के विश्लेषण का प्रस्तुतीकरण	27
4.4	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं परिणाम	28
अध्याय- पंचम	शोध सारांश, निष्कर्ष एवं सुझाव	
5.1	प्रस्तावना	34
5.2	समस्या कथन	34
5.3	शोध के उद्देश्य	34
5.4	शोध प्रश्न	35
5.5	शोध के चर	35

5.6	शोध का परिसीमन	35
5.7	न्यादर्श	36
5.8	शोध में प्रयुक्त उपकरण	36
5.9	प्रदत्तों का विश्लेषण	36
5.10	शोध के मुख्य परिणाम	36
5.11	निष्कर्ष	37
5.12	शैक्षिक सुझाव	37
5.13	भविष्य के लिए शोध सुझाव	38
	संदर्भ ग्रंथ सूची	39
	परिशिष्ट	
(1)	पर्यावरणीय जागरूकता परीक्षण	41
(2)	पर्यावरणीय ज्ञान प्रश्न पत्र	51
(3)	पर्यावरणीय आचरण अवलोकन अनुसूची	53



# तालिका सूची

अनु.क.	विवरण	पृष्ठ संख्या
4.4.1	प्रारंभिक स्तर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पर्यावरणीय ज्ञान का प्रतिशत विवरण	28
4.4.2	प्रारंभिक स्तर (कक्षा आठवी) में अध्ययनरत विद्यार्थियों की पर्यावरणीय जागरूकता का शतांश स्कोर	29
4.4.3	प्रारंभिक स्तर में अध्ययनरत विद्यार्थियों के पर्यावरणीय ज्ञान एवं पर्यावरणीय जागरूकता के मध्य सह संबंध का विवरण।	30
4.4.4	प्रारंभिक स्तर के विद्यार्थियों की पर्यावरणीय साक्षरता का शतांश स्कोर	31